Cambridge International A Level

Cambridge International Examinations
Cambridge International Advanced Level

HINDI **9687/04**

Paper 4 Texts **October/November 2015**

2 hours 30 minutes

No Additional Materials are required.

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

An answer booklet is provided inside this question paper. You should follow the instructions on the front cover of the answer booklet. If you need additional answer paper ask the invigilator for a continuation booklet.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose **one** question from Section 1, **one** question from Section 2 and **one other**.
Write your answers in **Hindi**.
Dictionaries are **not** permitted.
You may **not** take set texts into the examination.

You should write between 500 and 600 words for each answer.
All questions in this paper carry equal marks.

पहले इन निर्देशों को पढ़ें

इस प्रश्न-पत्र के भीतर उत्तर-पुस्तिका दी गई है। उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण करें। यदि आपको अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका चाहिए तो निरीक्षक से माँग लें।

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य-पुस्तक से चुने जाने चाहिए। भाग 1 से एक प्रश्न, भाग 2 से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। तीसरा प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है।
अपने उत्तर हिन्दी में लिखें।
शब्दकोश का प्रयोग करना मना है।

प्रत्येक उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच होने चाहिए।
इस प्रश्न पत्र में सभी प्रश्नों के अंक एक समान हैं।

This document consists of **6** printed pages, **2** blank pages and **1** insert.

DC (AC/FD) 101683/6
© UCLES 2015

CAMBRIDGE International Examinations

[Turn over

उत्तर-पुस्तिका के लिए निर्देश

उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर खाली खानों को भरें|
गहरे नीले या काले रंग की स्याही से लिखें| **किसी भी बारकोड पर न लिखें|**
अपने उत्तर उत्तर-पुस्तिका में लिखें| पृष्ठ के दोनों तरफ लिखें| कृपया प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के अंत और दूसरे उत्तर के प्रारम्भ के बीच दो पंक्तियाँ खाली छोड़ें|
जिस प्रश्न का उत्तर लिख रहे हैं उसकी प्रश्न-संख्या पहले हाशिये में लिखें|

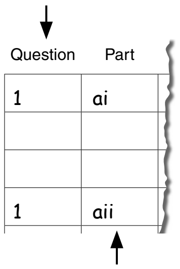

आप जिस प्रश्न का उत्तर लिख रहे हैं यदि उसके कई भाग हैं, उदाहरण के लिए 1(a), उस भाग को हाशिये के दूसरे भाग में लिखें|
यदि आपने अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका का उपयोग किया है तो उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ संलग्न कर दें|

© UCLES 2015

भाग 1

1 कबीर ग्रंथावली - कबीरदास और श्री रामचरितमानस - तुलसीदास

प्रश्न (a) और (b) में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए|

(a)

सतगुर सवाँन को सगा, सोधी सईं न दाति|
हरिजी सवाँन को हितू, हरिजन सईं न जाति||
बलिहारी गुर आपणैं द्यौं हाड़ी कै बार|
जिनि मानिष तैं देवता, करत न लागी बार||
सतगुर की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार|
लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार||
राम नाम कै पटतरे, देबे कौं कुछ नाँहि|
क्या ले गुर संतोषिए, हौंस रही मन माँहि||
सतगुर के सदकै करूँ, दिल अपणीं का साछ|
कलियुग हम स्यूँ लड़ि पड़्या महकम मेरा बाछ||
सतगुर लई कमाँण करि, बाँहण लागा तीर|
एक जु बाह्या प्रीति सूँ, भीतरि रह्या सरीर||

गुरुदेव का अंग

उपरोक्त दोहों की सप्रसंग व्याख्या करते हुए कबीरदास की भाषा पर टिप्पणी कीजिए| [25]

या

(b) 'अयोध्याकाण्ड' के पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों के आधार पर तुलसीदास के राम की चारित्रिक विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए| [25]

2 प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न (a) और (b) में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए|

(a)

हाय! मृत्यु का ऐसा अमर, अपार्थिव पूजन?
जब विषण्ण, निर्जीव पड़ा हो जग का जीवन!
संग-सौध में हो श्रृंगार मरण का शोभन,
नग्न, क्षुधातुर वास विहीन रहें जीवित जन?
मानव! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति?
आत्मा का अपमान, प्रेत औ' छाया से रति!!
प्रेम अर्चना यही, करें हम मरण को वरण?
स्थापित कर कंकाल, भरें जीवन का प्रांगण?

ताज

उपरोक्त काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए| सुमित्रानन्दन पंत की यह कविता छायावाद की किन विशेषताओं का उदाहरण है? [25]

या

(b) पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के उदाहरण द्वारा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की भाषा एवं भाव सौन्दर्य का मूल्यांकन कीजिए| [25]

© UCLES 2015

3 मैथिलीशरण गुप्त - भारत-भारती

प्रश्न (a) और (b) में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए।

(a)

केवल पुरुष ही थे न वे जिनका जगत् को गर्व था,
गृह-देवियाँ भी थीं हमारी देवियाँ ही सर्वथा।
था अत्रि-अनुसूया-सदृश गार्हस्थ्य दुर्लभ स्वर्ग में,
दाम्पत्य में वह सौख्य था जो सौख्य था अपवर्ग में।।

निज स्वामियों के कार्य्य में समभाग जो लेतीं न वे,
अनुरागपूर्वक योग जो उसमें सदा देतीं न वे।
तो फिर कहातीं किस तरह 'अर्धांगिनी' सुकुमारियाँ,
तात्पर्य्य यह – अनुरूप ही थीं नरवरों के नारियाँ।।

हारे मनोहत पुत्र को फिर बल जिन्होंने था दिया,
रहते जिन्होंने नव-वधु के सुत-विरह स्वीकृत किया।
द्विज-पुत्र-रक्षा-हित जिन्होंने सुत-मरण सोचा नहीं,
विदुला, सुमित्रा और कुंती-तुल्य माताएँ रहीं।।

अतीत खण्ड

उपरोक्त काव्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। पौराणिक स्त्रियों के प्रसंग द्वारा गुप्त जी 'अतीत खण्ड' में भारतीय नारियों की किन विशेषताओं का वर्णन कर रहे हैं? [25]

या

(b) पाठ्यक्रम में निर्धारित 'वर्तमान खण्ड' से उदाहरण देते हुए मैथिलीशरण गुप्त की 'भारत-भारती' की मूल संवेदना का वर्णन कीजिए। [25]

<u>भाग 2</u>

4 आधे-अधूरे - मोहन राकेश

प्रश्न (a) और (b) में से **<u>केवल एक प्रश्न</u>** का उत्तर दीजिए|

(a) "'आधे-अधूरे' आज के जीवन के एक गहन अनुभव-खण्ड को मूर्त करता है|" नाटक के पात्रों के द्वन्द्व के विश्लेषण द्वारा इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए| [25]

या

(b) 'आधे-अधूरे' नाटक का शीर्षक उसकी मूल संवेदना को सार्थक करने में कहाँ तक सफल है? [25]

5 आधुनिक कहानी संग्रह - सरोजिनी शर्मा

प्रश्न (a) और (b) में से **<u>केवल एक प्रश्न</u>** का उत्तर दीजिए|

(a) 'वापसी' कहानी में उषा प्रियंवदा आधुनिक पारिवारिक जीवन की विसंगति के चित्रण में कहाँ तक सफल हैं? कहानी की समस्या किसी एक देश–काल की है अथवा सर्वव्यापक है? [25]

या

(b) माँ-बेटी के पारस्परिक सम्बन्धों के विघटन को महीप सिंह ने 'सन्नाटा' कहानी में दैनिक जीवन की गतिविधियों द्वारा किस प्रकार से चित्रित किया है? [25]

6 मॉरिशसीय हिंदी कहानियाँ - सम्पादक: अभिमन्यु अनत

प्रश्न (a) और (b) में से **<u>केवल एक प्रश्न</u>** का उत्तर दीजिए|

(a) रामदेव धुरंधर की कहानी 'विषमंथन' के नायक राजन के मानसिक द्वन्द्व का विश्लेषण कीजिए| [25]

या

(b) 'टूटा पहिया' कहानी में अभिमन्यु अनत ने स्वतंत्रता के दस वर्षों बाद साधारण आदमी के मोहभंग को किस प्रकार से चित्रित किया है? कथावस्तु के विवरण द्वारा इसका मूल्यांकन कीजिए| [25]

© UCLES 2015

BLANK PAGE

© UCLES 2015

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge International Examinations Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cie.org.uk after the live examination series.

Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.